विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **श्रेष्ठ राजयोगी कहलाओ**

मैं हूँ श्रेष्ठ राजयोगी खुद को ये महसूस कराओ
राजयोगी बनकर कर्मेंद्रियों के राजा कहलाओ

कर्मेन्द्रियों के वशीभूत प्रजायोगी ही कहलाते
मालिक होकर भी वे नौकर नौकर ही रह जाते

राजयोगी का ये टाइटल तुम कभी नहीं गंवाओ
विश्व महाराजा बनने का हर संस्कार अपनाओ

सर्वशक्तिमान पर विश्वास कायम रखते जाओ
सर्व सफलताओं को अधिकार स्वरूप में पाओ

दिलतख्तनशीन होने का खुद पर नशा चढ़ाओ
हिम्मत से आगे बढ़कर हर फ़िकरात मिटाओ

वरदानी बनकर औरों को वरदान बांटते जाओ
सम्पन्न बनकर औरों को सम्पन्न बनाते जाओ

अपने परिवर्तन से सबको प्रेरित करते जाओ
इन्द्रियजीत बनकर श्रेष्ठ राजयोगी कहलाओ

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->